

संपादकीय

बाढ़ के पानी में बनते-बहते पुल

बारिश ने पूरे देश में तबाही मचा रखी है। मुझे ख्यालिलब्ध गीतकार नीरज जी की 'अबके साबन में ये बरसात मेरे साथ हुई' शेर याद आ रहा है। टीवी पर मिनट-मिनट की खबरें ब्रेक हो रही हैं। दिल्ली के अंतर्गत नार में नाले में बरसाती पानी के सेलाब से किनारे वसे कई मकान बह गए। मिट्टी ब्रिज के नीचे भौंकी खींची है क्या? एक औंटी और एक कार भी मिट्टी ब्रिज के नीचे भौंकी पानी में लापता हो गई। औंटी बाले को तो नहीं बचाया जा सका, अलवता बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने बस की छत पर चढ़कर जान बचाई। करीब दो घंटे बाद पहुंचे फायर ब्रिगेड के राहत दल ने घंटों की मशक्कत के बाद तीनों को बचाया। औंटी बाले शायद इतना खुशकिस्मत नहीं था। अखबारों की हेडलाइन 'राजधानी की खुनी बरसात' बनना उसके ही मुकद्दर में लिखा था। शाम को हवाखोरों के लिए फेसबुक का रुख किया था कि भाई गोविंद गुलशन से मुठभेड़ हो गई। भाई जी—

'दिल्ली में ये एक डर है बराबर बना हुआ'

मिट्टी में मिल न जाए कहीं धर बना हुआ'

फरमाते मिले। बेचारे दिल्ली में बह गए गरीबों के मकानों की बजह से दुखी थे। पड़ताल में दिल्ली सहित देशभर में बांध से मची तबाही का पता चला। असम, बिहार, अरुणाचल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मेघालय सहित कई प्रदेशों की स्थिति बड़ी बिकट है। कई जगह सड़क और पुल बह गए हैं। आदमी का आदमी से संपर्क कट गया है। हम भी कुदरत की मेहरबानी से नीरज जी के शेर 'ज़रेर धर को छोड़ कर शहर में बरसात हुई' की तरह चंचित हैं। बिहार के गोपालगंज में गंडक नदी के पुल के पानी में बह जाने की तस्वीर टीवी पर चल रही है। पुल के दोनों ओर पर लोगों का हुजूम लगा है। क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजरता पानी अपनी ताकत दिखा रहा है। ताकत दिखाने के मामले में फोटोग्राफर और रिपोर्टर भी पछे नहीं हैं। उन्हें भी चार महीने बाद कछु अलग-सा काम करने को मिला है। 'कोरोना', 'पाक-नापाक' और 'ड्रैन' राग अलाने वाले तमाम चैनल राग 'मल्हा' गाने लगे हैं। स्टूडियो में एकर की छटायाहट ने हमें कश्मीर घाटी के पुल नंबर 27 की याद दिला दी। एक मित्र इंजीनियर ही पहुंचे जानी चाहता था। उनकी जगह आए जूनियर इंजीनियर का चार्ज देते समय मित्र ने ताकीद किया कि कालासंफद कुछ भी करना, पुल नंबर 27 की ओर भूलकर भी आंख ऊंच कर मत देखना। और उसकी मैटेंसेंस की फाइल तो हरागिज़ ही न बनाना। लेकिन एक दिन मित्र का माथा ठक्का। मूरमेंट रेजिस्टर में किसी फाइल की तलाश में उनकी नजर अचानक पुल नंबर 27 की फाइल के मूरबे पर पड़ी। फाइल भुगतान के लिए उनके कार्यालय को ही प्रेषित की गई है। मित्र ने जूनियर इंजीनियर महाशय को भी तलब कर लिया। जूनियर इंजीनियर से सबसे पहला सलाह यही पूछा जाए कि चार्ज देते समय क्या नसीहत दी गई थी? लेकिन वह साबह उसे हुए खिलाड़ी थे। मित्र को ही नसीहत की पूरी किताब सुना भाली। मित्र के याद दिलाने पर भी नसीहत दी भी गई थी। उसने बताया कि पिछले एक साल में पुल के रेख-रेखाव के पर करीब छह लाख रुपए का खर्च आ चुका है। ऐकेदारों को इस राशि का भुगतान किया जाना है। जिसकी संस्कृति जूनियर इंजीनियर साहब ने कर दी है। जूनियर इंजीनियर हर सबाल का जवाब ताल ठोक कर देते रहे। मित्र को आखिर कहना पड़ा कि यह झूट तुहां ले द्योगा। बेशरों की तरह महाशय बोले 'अजी चुक्क भर पानी मेरा कुछ ना बिगाड़ पाया। छोटी-मोटी बरसात मेरा क्या बिगाड़ेगी?' जूनियर इंजीनियर किसी भी सूरत फाइल पास करवाना चाहता था। मित्र के सामने उसने बताया नजराना आधी रकम की पेशकश भी कर दी। उन्हें जूनियर इंजीनियर को कहना पड़ा कि पिछले दस सालों से रेख-रेखाव का सबसे अधिक खर्च इसी पुल पर होता आ रहा है तो इस बारे परेंट स्वीकृत करने में हुज्जत क्यां है?

खरीद प्रक्रिया में होगा बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)।

भारतीय रेलवे ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में बड़ा बदलाव कर चीन को बड़ा झटका की तैयारी कर ली है। घेरलू उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़े नियमों में एक प्रावधान जाड़ा जाएगा जिससे घेरलू वेंडर्स और सप्लायर्स रेलवे की खरीद प्रक्रिया में अधिक से अधिक जारी लगा सकेंगे। इस मामले में रेलवे ने



एक बयान जारी कर कहा कि इससे सरकार के आत्मनिर्भर भारत मिशन को प्रोत्साहन मिलेगा। बयान में कहा गया है कि आगर जरूरत पड़ी तो उचित

नीतिगत बदलावों के लिए डिपार्टमेंट फॉर प्रोमोशन और इंडस्ट्री एंड इंटरनेशनल ट्रेड से भी मदद मार्गी गई है।

भारतीय रेलवे ने बताया कि खरीद प्रक्रिया में घेरलू उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार एक समीक्षा बैठक हुई। जिसमें इस बात पर अधिक जारी दिया गया कि खरीद प्रक्रिया में लोकल वेंडर्स की भागीदारी बढ़ावा जानी चाहिए। बैठक में रेलवे मंत्री पीयूष गोयल ने रेलवे और भारत सरकार की खरीद प्रक्रिया में लोकल वेंडर्स और सप्लायर्स की तरफ से ज्ञान बोलियां आए। इससे आत्मनिर्भर भारत मिशन को बढ़ावा मिलेगा।

पेट्रोल 82 रुपये के करीब मुंबई में 80 के पार



नई दिल्ली (आरएनएस)। डीजल की कीमत रविवार को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। मुंबई में यह 14 पैसे महंगा होकर 80.11 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता और चेन्नई में डीजल का मूल्य 13-13 पैसे की वृद्धि के साथ क्रमशः 77.04 रुपये और 78.86 रुपये प्रति लीटर पर रहा जो अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है।

सेंसेक्स की टॉप-10 में से 7 कंपनियों का मार्केट कैप 2.03 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूँजीकरण (मार्केट कैप) में जीते सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक यानी 20,03,63.21 करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, इफोसिस, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और आईसीआईसी के बाजार पूँजीकरण में इजाफा हुआ। वहाँ दाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलोवर और भारती एयरटेल के बाजार पूँजीकरण में आज डीजल की

कीमत 15 पैसे बढ़कर 81.94 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। मुंबई में यह 14 पैसे महंगा होकर 80.11 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता और चेन्नई में डीजल का मूल्य 13-13 पैसे की वृद्धि के साथ क्रमशः 77.04 रुपये और 78.86 रुपये प्रति लीटर पर रहा जो अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है।



अप्रैल में मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या 0.71 प्रतिशत बढ़ी

नवी दिल्ली (आरएनएस)। देश में कुल फोन ग्राहकों की संख्या एक माह की अवधि में 0.72 प्रतिशत घट गई है। भारतीय दूसरोंचर नियमक प्राधिकरण (द्राइंग) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2020 के अंत तक कुल फोन ग्राहकों की संख्या घटकर 116.94 करोड़ रह गई, जबकि मार्च अंत तक यह आंकड़ा 117.79 करोड़ पथा था। शहरी क्षेत्रों में फोन कनेक्शनों की संख्या 1.41 प्रतिशत घटकर 64.71 करोड़ पर आ गई। वहाँ ग्रामीण इलाकों में फोन ग्राहकों की संख्या एक माह की अवधि में 0.14 प्रतिशत बढ़कर 52.15 करोड़ से 52.22 करोड़ पर पहुंच गई। मार्च 2020 के मुकाबले अप्रैल 2020 में यदि मोबाइल फोन की बात की जाये तो इस एक माह की अवधि में देश में मोबाइल फोन कनेक्शनों की संख्या 0.16 प्रतिशत घटकर 51.92 करोड़ से 52 करोड़ पर कुछ अधिक रही। वहाँ ग्रामीण इलाकों में मोबाइल फोन कनेक्शनों की संख्या 0.16 प्रतिशत घटकर 51.92 करोड़ से 52 करोड़ पर आ गई।

मार्च अंत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 115.77 करोड़ पर थी। शहरी इलाकों में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 1.42 प्रतिशत घटकर 63.84 करोड़ से घटकर 62.94 करोड़ रह गई। वहाँ ग्रामीण इलाकों में मोबाइल कनेक्शनों की संख्या 0.16 प्रतिशत घटकर 51.92 करोड़ से 52 करोड़ पर कुछ अधिक रही।

सलमान खान के फार्महाउस में धान बोते नजर आई यूलिया वंतूर



सलमान खान काफी समय से अपने बोती दोस्तों और परिवार के कृषि उत्पादन से सलमान खान के बाजार पूँजीकरण (मार्केट कैप) में जीते सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक यानी 20,03,63.21 करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, इफोसिस, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और आईसीआईसी के बाजार पूँजीकरण में इजाफा हुआ। वहाँ दाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलोवर और भारती एयरटेल के बाजार पूँजीकरण में ग्रामीण इलाकों की वृद्धि के साथ लाभ होता है। इसके साथ लाभ देखने वाले ने अपने बोती दोस्तों और अपने बाजार की ओर बढ़ावा दिया है। इसके साथ लाभ देखने वाले ने अपने बाजार की ओर बढ़ावा दिया है। इसके साथ लाभ देखने वाले ने अपने बाजार की ओर बढ़ावा दिया है। इसके साथ लाभ देखने वाले ने अपने बाजार की ओर बढ़ावा दिया है। इसके साथ लाभ देखने वाले ने अपने बाजार की ओर बढ़ावा